विद्वतापूर्ण और व्याीवसायिक रूचि के प्रमुख क्षेत्र के रूप में मीडिया और संचार कियाओं का समाज के विकास और सशक्तिकरण में बहुत योगदान है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने मीडिया और संचार माध्यमों के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभायी है। इसके साथ मीडिया तंत्र को समझने और उसके विश्लेषण में जनसंचार के विद्यार्थियों, शिक्षकों और संचार कर्मियों के लिए कई चुनौतियाँ भी सामने आयी हैं। तेजी से विकसित तकनीकी स्थिति इसके अनुशासन के स्व्रूप को बदल रही है जो शिक्षा के अन्य क्षेत्रों से इसे अलग करता है।

भारतीय जन संचार संस्थादन ने संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थाभन प्राप्तौ किया है। संस्थान संचार को सामाजिक-आर्थिक विकास का उत्प्रेरक मानता है और विश्वस्तरीय शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के द्वारा समाज को लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय जन संचार संस्थान को मीडिया और संचार के शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। सूचना उद्योग में बढ़ती हुई पहल कदमियों और चुनौतियों से निपटने के लिए संस्थान अपने कार्यक्रमों में नवीनता लाने और उनके अद्यतन में सतत प्रयत्नशील रहता है। यह संचार के क्षेत्र में विश्वर में व्यामप्ते प्रतिस्पलर्धाओं का सामना करने के लिए प्रशिक्षुओं/विद्वानों/विद्यार्थियों को तैयार करता है और इसके शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम इन्हीं चुनौतियों और विकासशील देशों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। यही वजह है कि भारतीय जनसंचार संस्थान देश और विदेश में स्थापित अन्य जनसंचार प्रशिक्षण केन्द्रों से अपनी अलग पहचान बना पाया है।

आई.आई.एम.सी. सोसाईटी एक स्वायत्तशासी निकाय है जो संस्थान का संचालन करती है। यह समिति सोसाईटी पंजीकरण कानून 1867 के अन्तर्गत पंजीकृत है जिसमें अध्यक्ष, संस्थान के महानिदेशक, संकाय के प्रतिनिधियों के अलावा विख्यात संचारकर्मी शामिल होते हैं। संस्थान को भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।

शुरूआत

भारतीय जन संचार संस्थान की स्थापना 17 अगस्त 1965 को हुई थी। उस समय इसके छोटे से स्टाफ में युनेस्को के दो सलाहकार भी शामिल थे। शुरूआती वर्षों में संस्थान ने मुख्यतः केन्द्रीय सूचना सेवा के अधिकारियों, राज्यों के सूचना एवं प्रचार अधिकारियों और विकासशील देशों के विदेशी प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। कुछ शोध परियोजनाओं का काम भी किया था। वर्ष 1969 में अफ्रीकी-एशियाई देशों के मध्यम दर्जे के श्रमजीवी पत्रकारों के लिए पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया जिसमें विकासशील देशों के युवा पत्रकारों को प्रवेश दिया गया। इसके बाद केन्द्र और राज्य सरकारों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रचार/जनसंपर्क से जुड़े हुए संचारकर्मियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक सप्ताह से तीन महीने की अवधि के कुछ विशेष पाठ्यक्रम शुरू किये गए। भारतीय जन संचार संस्थाोन ने अपने संचार शोध कार्यक्रम को प्रारंभिक वर्षों में एक छोटे पैमाने पर शुरू किया, लेकिन यह जल्द ही एक उत्कृष्ट शोध केंद्र बन गया। जागरूकता पैदा करने और व्यवहार परिवर्तन के लिए देश में जन मीडिया और संचार रणनीतियों और कार्यक्रमों की पहुंच और प्रभाव को समझने के लिए इस केंद्र ने कई शोध कार्यक्रम चलाए।

गत वर्षों में संस्थान का विस्तार हुआ और यह अंग्रेजी और हिन्दी में स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा विज्ञापन एवं जनसंपर्क तथा रेडियो और टीवी में नियमित स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करने लगा।

विस्तार

दिल्ली के बाद, पूर्वी भारत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 1993 में ढेंकानाल (ओडिशा) में पहला क्षेत्रीय परिसर खोला गया जहाँ अंग्रेजी और उड़िया में स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए। तत्पश्चात् संस्थान के चार और परिसर खोले गए। महाराष्ट्र में अमरावती तथा मिजोरम में आईजोल परिसर खोले गए। इन दोनों परिसरों ने शैक्षिक वर्ष 2011-12 से काम करना शुरू किया। शैक्षिक वर्ष 2012-13 से जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) तथा कोट्टायम (केरल) में संस्थान के दो और परिसर शुरू किए गए। इनमें पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) का संचालन किया जा रहा है। शैक्षिक वर्ष 2017-18 में मराठी और मलयालम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम क्रमशः अमरावती और कोट्टायम में शुरू किये गए। शैक्षिक सत्र 2016-17 से दिल्ली परिसर में संचालित उर्दु पत्रकारिता के डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पाँच महीने के पाठ्यक्रम की बजाय एक वर्ष की अवधि के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर दिया गया है।

शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

(क) शैक्षणिक कार्यक्रमः

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (2018-19)

1. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी)
2. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी)
3. रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (माध्यमः द्विभाषी- अंग्रेजी एवं हिन्दी)
4. विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (माध्यमः द्विभाषी – अंग्रेजी एवं हिन्दी)
5. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (उड़िया)
6. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (उर्दु)

7. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (मराठी)
8. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (मलयालम)

(ख) प्रशिक्षण अकादमी

1. भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम:

भारतीय जन संचार संस्थान भारतीय सूचना सेवा के लिए प्रशिक्षण अकादमी है। संस्थान भारतीय सूचना सेवा के समूह 'क' और 'ख' के अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार में परिचयात्मक/अभिमुखीकरण प्रशिक्षण के संचालन के साथ-साथ रिफ्रेशर कार्यक्रमों का संचालन भी करता है।

2. विकास पत्रकारिता में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:

यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम एशिया, अफ्रीका, लातीन अमरिका और पूर्वी यूरोपीय देशों के श्रमजीवी पत्रकारों में बहुत लोकप्रिय है। इसमें प्रत्येक बैच में औसतन 25 संचारकर्मी लिए जाते हैं। संस्थान हर वर्ष चार-चार महीनों के ऐसे दो पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। इस पाठ्यक्रम से अब तक 126 देशों के 1573 पत्रकार लाभान्वित हुए हैं।

(ग) विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के लिए अल्पकालीन पाठ्यक्रम:

भारतीय जन संचार संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन भी करता है:

1. पुलिस और पैरा-मिलिटरी बलों सहित सेना के अधिकारियों तथा अन्य केन्द्रीय तथा राज्य सरकारी संगठनों के लिए मीडिया अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम।
2. सरकारी मंत्रालयों/विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संचारकर्मी अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम।
3. लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापाठ के सहभागिता से संस्कृत पत्रकारिता में तीन माह का एडवांस्ड प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

(घ) सामुदायिक रेडियो सशक्तिकरण एवं स्रोत केन्द्र:

देश में सामुदायिक रेडियो को प्रोत्साहन देने के लिए यह केन्द्र सामुदायिक रेडियो के क्षेत्र में विषय-वस्तु, प्रौद्योगिकी और राजस्व वृद्धि के लिए अल्पकालीन पाठ्यक्रम का संचालन करता है। यह महत्वाकांक्षी सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की सहायता के लिए मार्गदर्शन, अनुसंधान, परामर्श और क्षमता निर्माण सेवाएं प्रदान करके एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में और शैक्षिक संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों, मीडिया शिक्षकों आदि में सामुदायिक रेडियो के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी प्रयास करता है।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन:

संस्थान के दिल्ली परिसर में सामुदायिक रेडियो स्टेशन, "अपना रेडियो 96.9 एफ एम" है। स्टेशन में प्रशिक्षु अधिकारियों और विद्यार्थियों को रेडियो पत्रकारिता का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अपना रेडियो 2005 के बाद से आईआईएमसी, नई दिल्ली के कैंपस रेडियो के रूप में चल रहा है, लेकिन 2013 में इसे कम्यूनिटी रेडियो के रूप में स्थापित कर दिया गया। अपना रेडियो दिन में सात घंटे के कार्यक्रम प्रसारित करता है जिसमें दैनिक लाइव शो 'आसपास' भी शामिल है। अपना रेडियो दैनिक विषयों पर चर्चा करता है और श्रोताओं को समुदायों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जोड़ता है।

मार्च 2017 में आईआईएमसी, नई दिल्ली में सामुदायिक रेडियो सशक्तीकरण और स्रोत केंद्र का उद्घाटन पूरे देश में परिचालित सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को सभी सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। अपना रेडियो अन्य परिसरों की गतिविधियों के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र भी है।

राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र

राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र आंतरिक और बाहरी दोनों मीडिया संकाय के लिए अल्पकालिक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करता है।

संकाय

भारतीय जन संचार संस्थान के संकाय में विशिष्ट शिक्षाविद, शोधकर्ता और मीडिया पेशेवर शामिल हैं जिन्होंने विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संस्थान में शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए तीन स्तरीय संकाय-पद्धति है जिसमें संस्थान के मुख्य संकाय, मीडिया उद्योग पेशेवर और वरिष्ठ मीडियाकर्मी शामिल हैं जिन्हें समय-समय पर बुलाया जाता है जिससे विद्यार्थी/प्रशिक्षु उद्योग की गतिविधियाँ जान सकें और विशेषज्ञों के अनुभवों से लाभ उठा सकें।

शोध

जन संचार का क्रमबद्ध अध्ययन भारतीय जन संचार संस्थान की शैक्षिक प्रणाली का अनिवार्य अंग है। शोध गतिविधियों का उद्देश्य मीडिया और संचार अध्ययन के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावसायिक मुद्दों को परस्पर सम्बद्ध करना है। संस्थान का संचार शोध विभाग छात्रों, व्यवसायी संचारकों और मीडिया उद्योग के सदस्यों के सहयोग से शोध प्रयासों पर कार्य करता है जिससे शैक्षिक अवसर प्राप्त होते हैं और उत्तम प्रयासों के मानक स्थापित होते हैं। संस्थान में विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं का उनके शोध कार्यों में मार्गदर्शन किया जाता है ताकि वे मीडिया और संचार शोध को जान सकें और शोध को अपने व्यावसायिक लक्ष्यों से सम्बद्ध कर सकें।

संस्थान में विकास, प्रसारण, प्रेस नीतियों, जन स्वास्थ्य, व्यवहार एवं सामाजिक परिवर्तन, चुनाव, बहुमाध्यम अभियानों, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण, गैर पारम्परिक उर्जा, प्रवासन, फिल्म सेंसरशिप इत्यादि से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों पर 175 से भी अधिक मूल्यांकन अध्ययन किए गए

हैं। इसके अलावा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया यूनिटों के मीडिया अभियानों और गतिविधियों का मूल्यांकन शोध गतिविधियों का अभिन्न अंग है।

संगोष्ठियाँ और सम्मेलन

संस्थान में विभिन्न विषयों और मीडिया से जुड़े सामयिक मुद्दों पर समय-समय पर संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। शीर्ष मीडिया संगठनों और वरिष्ठ संचार कर्मियों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श और चर्चा के लिए नियमित आमंत्रित किया जाता है। इन आयोजनों ने संस्थान में विचारों और अभिव्यक्तियों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच बनाया है जिससे छात्रों के लिए संदर्भ सामग्री के विकास में मदद मिली है। भारतीय जन संचार संस्थान संकाय प्रशिक्षुओँ और विद्यार्थियों को व्याख्यान देने और उनसे वैचारिक आदान प्रदान करने के लिए भारत और विदेश से विभिन्न व्यवसायों से जुड़े प्रख्यात व्यक्तियों को नियमित तौर पर आमंत्रित करता है।

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भारतीय जन संचार संस्थान अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दु/उड़िया/मराठी/मलयालम में पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है।

पाठ्यक्रमों के सामान्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- भारत में व्यापक परिप्रेक्ष्य में संचार की समझ विकसित करना।
- देश के स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों जैसे कि आपातकाल के बाद के समय के दौरान मीडिया की भूमिका सहित भारत की प्राचीन संचार परम्पराओं और इतिहास की जानकारी देना।
- प्रभावी संचार के माध्यम से सम्बद्धता और भागीदारी के प्रोत्साहन में पत्रकारों की भूमिका रेखांकित करना।
- विषय वस्तु एवं प्रौद्योगिकी में विभिन्न संचार कौशलों की जानकारी देना।
- देश के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिक क्षेत्रों पर उचित संचार नीति तैयार करना।
- उभरती हुई प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए पत्रकारों/संचार कर्मियों के लिए अवसरों को परिभाषित करना।
- रिपोर्ट लेखन/संपादन/प्रोडक्शन एवं वितरण की नई/उभरती हुई प्रौद्योगिकी की जानकारी देना।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया के प्रोत्साहन के लिए नैतिकता और मूल्य की समझ प्रदान करना।
- विकास प्रक्रिया में मीडियाकर्मी-फोर्स-मल्टीप्लायर्स हेतु समाज और देश के प्रति प्रतिबद्धता को उत्पन्न करना।
- सरकारी मीडिया संगठनों और निजी प्रयासों की भूमिका की जानकारी देना।

दो सत्रों वाले पाठ्यक्रम में सामान्य तौर पर निम्नलिखित प्रश्नपत्र शामिल हैं:

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दु/उड़िया/मराठी/मलयालम

1.	संचार अवधारणा, प्रक्रिया और शोध
2.	पत्रकारिता का इतिहास, कानून एवं आचार-संहिता
3.	संवाद संकलन (रिपोर्टिंग) – अवधारणा एवं प्रक्रिया
4.	सम्पादनः अवधारणा और प्रक्रिया
5.	संवाद संकलन (रिपोर्टिंग) – व्यावहारिक अभ्यास
6.	सम्पादनः व्यावहारिक अभ्यास
7.	मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
8.	रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता
9.	विकास पत्रकारिता
10.	न्यू मीडिया एवं ऑनलाइन पत्रकारिता

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः

- उच्चारित शब्द और दृश्य सामग्री के द्वारा सृजनात्मक संचार में दक्षता के उच्च स्तर का विकास करना।
- पत्रकारिता कौशल विकसित करना और पत्रकारिता आचार संहिता की समझ।
- संचार में तकनीकी, विपणन और नीति प्रक्रियाओं को समझाना।
- वैश्विक प्रसारण और टेलीविजन प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- रेडियो/टीवी रिपोर्टिंग/एंकरिंग/निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण के नये कौशलों को विकसित करना।
- नान लीनियर संपादन प्रणाली, कैमरा संचालन, वीडियो संपादन, साउंड रिकॉर्डिंग और समकालीन श्रव्य/दृश्य सॉफ्टवेयर के प्रयोग में दक्षता प्रदान करना।

दो सत्रों वाले पाठ्यक्रम में सामान्य तौर पर निम्नलिखित प्रश्नपत्र हैं:

1.	संचार: अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत
2.	पत्रकारिता: प्रेस का इतिहास, मीडिया कानून, आचार संहिता, कानून एवं नियम
3.	मुद्रण पत्रकारिता
4.	रेडियो पत्रकारिता: अवधारणा, प्रक्रिया एवं प्रोडक्शन
5.	टेलीविजन पत्रकारिता: अवधारणा एवं प्रक्रिया
6.	टेलीविजन प्रोडक्शन एवं प्रबंधन
7.	टेलीविजन समाचार: रिपोर्टिंग, संपादन एवं बुलेटिन निर्माण
8.	रेडियो समाचार: रिपोर्टिंग, संपादन एवं बुलेटिन निर्माण

9.	न्यू मीडिया एवं ऑनलाइन पत्रकारिता
10.	विज्ञापन, जनसंपर्क/कॉरपोरेट संचार एवं मीडिया बिजनेस प्रबंधन

विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः

- युवा छात्र-छात्राओं में विज्ञापन एवं जनसंपर्क की गहरी समझ पैदा करने के लिए संचार, विपणन, विज्ञापन और जनसंपर्क/कॉरपोरेट संचार के सिद्धान्तों तथा अवधारणाओं की जानकारी देना।
- व्यापक अर्थ में संचार की भूमिका और क्षमता की समझ बनाने में मदद करना।
- संगठन के लक्ष्यों और नीतियों की प्राप्ति हेतु संचार के विभिन्न उपकरणों की जानकारी देना।
- संचार की कला और विज्ञान के बीच तालमेल हेतु संचार के आधुनिक उपकरणों, खास तौर से तकनीकी साफ्टवेयर, इंटरनेट और सूचना प्रौद्योगिकी से परिचित कराना।
- संचार प्रबंध में अच्छे नेतृत्व प्रदान करने/उचित फैसला करने योग्य बनाना।
- सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर सकारात्मक जनमत/व्यवहार/मनोवृत्ति को आकार देने के लिए जनसंपर्क/विज्ञापन कौशल का उपयोग प्रदान करना।

दो सत्रों वाले पाठ्यक्रम में सामान्य तौर पर निम्नलिखित प्रश्नपत्र हैं:

1.	संचार सिद्धान्त एवं शोध
2.	विज्ञापनः सिद्धान्त, अवधारणा एवं प्रबंधन
3.	जनसंपर्क : सिद्धान्त, उपकरण एवं तकनीक
4.	विपणन प्रबंधन
5.	सरकारी और सार्वजनिक सेवा संचार
6.	विज्ञापन एवं विपणन शोध भाग कः सत्र 1 (सिद्धान्त) भाग खः सत्र 2 (शोध परियोजना)
7.	प्रोडक्शन तकनीक एवं पद्धतियां
8.	मीडिया उद्योग प्रबंधन एवं कॉरपोरेट संचार
9.	मीडिया प्लानिंग
10.	रचनात्मकता और अभियान आयोजन

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अकादमिक केलेंडर

प्रथम सत्र – अगस्त से दिसम्बर
द्वितीय सत्र – जनवरी से मई

प्रथम सत्र का प्रारम्भ	1 अगस्त 2018
ढेंकानाल परिसर के लिए मध्य सत्रावकाश	दुर्गा पूजा त्यौहार के लिए 15 से 19 अक्तूबर 2018
नई दिल्ली, आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टायम परिसर के लिए सत्रावकाश	दीपावली त्यौहार के लिए 5 से 9 नवम्बर 2018
प्रथम सत्र की परीक्षा	17 से 21 दिसम्बर 2018
शीतकालीन अवकाश	22 दिसम्बर 2018 से 1 जनवरी 2019
द्वितीय सत्र का प्रारम्भ	2 जनवरी 2019
द्वितीय सत्र की परीक्षा	22 से 26 अप्रैल 2019
व्यावहारिक प्रशिक्षण (चार सप्ताह के लिए)	मई 2019
परीक्षा परिणामों की घोषणा और शैक्षिक सत्र की समाप्ति	मई का अंतिम सप्ताह या जून का प्रथम सप्ताह, 2019

पात्रता

नागरिकताः स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। इसके अलावा, अनिवासी भारतीयों/अनिवासी भारतीयों द्वारा स्पांसर किये गए उम्मीदवारों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में पाँच स्थान उपलब्ध हैं। (अनिवासी भारतीय/अनिवासी भारतीयों द्वारा स्पांसर किये जो अभ्यर्थी गैर-अनिवासी भारतीय या अनिवासी श्रेणियों दोनों के लिए आवेदन देना चाहते हैं उन्हें प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग से आवेदन प्रस्तुत करना होगा)। गैर अनिवासी सीटों का आधार अनिवार्य योग्यता, लिखित प्रवेश परीक्षा की योग्यता सूची और उसके बाद होने वाली सामूहिक चर्चा/साक्षात्कार अथवा दोनों के आधार पर होगा (लिखित परीक्षा पास करने के उपरांत)। अनिवासी/अनिवासी भारतीयों द्वारा स्पांसर किये गए छात्रों को लिखित परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है तथापि उन्हें सामूहिक चर्चा/साक्षात्कार या दोनों के लिए उपस्थित होना होगा।

अनिवार्यः किसी भी विषय में स्नातक उपाधि/जिन्होंने स्नातक की परीक्षा दी है या देने जा रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। चयन होने पर उन्हें संबंधित पाठ्यक्रम में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा जिसके अंतर्गत उन्हें स्थायी प्रवेश के लिए 31 अगस्त 2018 तक या उससे पूर्व अपने विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के प्रोविजनल प्रमाण पत्र की मूलप्रति प्रस्तुत करनी होगी अन्यथा उनका अस्थायी प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

जन्मतिथिः सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए 1.8.1993 या बाद की। अनुसूचित जाति/जनजाति/शारीरिक दिव्यांगों के लिए 1.8.1988 या बाद की। अन्य पिछड़े वर्ग के लिए 1.8.1990 या बाद की।

कुल स्थान

पाठ्यक्रम	नई दिल्ली	ढेंकानाल	अमरावती	आइजोल	जम्मू	कोट्टायम
पत्रकारिता (हिन्दी)	62	--	--	--	--	--
पत्रकारिता (अंग्रेजी)	62	62	15	15	15	15
रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता	46	--	--	--	--	--

विज्ञापन एवं जनसंपर्क	70	--	--	--	--	--
पत्रकारिता (उड़िया)	--	23	--	--	--	--
पत्रकारिता (उर्दु)	15	--	--	--	--	--
पत्रकारिता (मराठी)	--	--	15	--	--	--
पत्रकारिता (मलयालम)	--	--	--	--	--	15

सीटों का आरक्षण

अ.जा/अ.ज.जा/शारीरिक दिव्यांग/अ.पि. वर्ग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भारत सरकार के आदेशों के अनुसार मान्य होगा।

उम्मीदवारों का चयन

सभी पात्र उम्मीदवारों को उनके स्वयं के खर्चे पर 27 मई 2018 को नई दिल्ली/अहमदाबाद/आईजोल/बेंगलूरू/भोपाल/देहरादून/ढेंकनाल/चेन्नई/गुवाहाटी/जम्मू/हैदराबाद/कोलकाता/कोट्टायम/लखनऊ/मुम्बई/अमरावती/पटना/रांची/रायपुर/श्रीनगर में लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। प्रशासनिक कारणों से किसी भी उम्मीदवार को लिखित परीक्षा के लिए उसकी पसंद के अलावा अन्य किसी केन्द्र पर बुलाने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है। उर्दु में पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए लिखित परीक्षा 26 मई 2018 को नई दिल्ली/भोपाल/श्रीनगर/जम्मू/हैदराबाद/लखनऊ/मुम्बई/पटना में होगी। उड़िया में पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए लिखित परीक्षा 26 मई 2018 को ढेंकनाल में होगी। मराठी में पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए लिखित परीक्षा 26 मई 2018 को मुंबई और अमरावती में होगी। मलयालम में पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए लिखित परीक्षा 26 मई 2018 को कोट्टायम में होगी।

लिखित परीक्षा देने वाले सभी आवेदकों की प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता-सूची बनाई जाएगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की अलग-अलग (प्रत्येक पाठ्यक्रम में आरक्षित सीटों वाले उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग योग्यता सूची सहित) योग्यता-सूची बनाई जाएगी। योग्यता-सूची वाले उम्मीदवारों को उनके स्वयं के खर्चे पर, जून के अंतिम सप्ताह/जुलाई 2018 के पहले सप्ताह में नई दिल्ली में साक्षात्कार/सामूहिक चर्चा के लिए बुलाया जाएगा। **पहली वरीयता के आधार पर क्षेत्रीय परिसरों में प्रवेश के लिए आवेदकों की संख्या पर्याप्त होने पर संबंधित क्षेत्रीय परिसर या क्षेत्र के किसी अन्य शहर में साक्षात्कार का संचालन किया जा सकता है। साक्षात्कार से पूर्व आवेदक को स्थान के बारे में सूचित किया जाएगा।**

पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा, सामूहिक चर्चा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों की योग्यता सूची बनाई जाएगी। लिखित परीक्षा और सामूहिक चर्चा/साक्षात्कर में प्राप्त अंकों का अनुपात 75:25 होगा।

महत्वपूर्ण

स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) के आवेदकों के लिए यह बताना महत्वपूर्ण है कि नई दिल्ली, ढेंकानाल (ओडिशा), आइजोल (मिजोरम), अमरावती (महाराष्ट्र), जम्मू (जम्मू और कश्मीर) या कोट्टायम (केरल) परिसरों की अपनी वरीयता को फार्म में बनाए गए कॉलम में स्पष्ट रूप से दर्शाएं। केन्द्रों का आवंटन मैरिट और चयन के आधार पर होगा जो आवेदक के प्रवेश परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। यदि आवेदक ने वरीयता नहीं दर्शाई है तो संस्थान स्वविवेकानुसार केन्द्र का निर्धारण करेगा। एक बार अंतिम चयन हो जाने पर केन्द्र परिवर्तन संबंधी किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

डाक में देरी होने या डाक खो जाने की जिम्मेदारी संस्थान की नहीं होगी। विवाद होने पर मुकदमा केवल दिल्ली न्यायालय में चलाया जा सकेगा।

पाठ्यक्रम शुल्क

पाठ्यक्रम	शिक्षा शुल्क	अनिवासी श्रेणी के भारतीयों के लिए शिक्षा शुल्क
पत्रकारिता (हिन्दी) पत्रकारिता (अंग्रेजी)	79,000/- रुपये	US $ 8,000
रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता	1,45,000/- रुपये	US $ 12,000
विज्ञापन एवं जनसंपर्क	1,12,000/- रूपये	US $ 12,000
पत्रकारिता (उड़िया)	43,000/- रुपये	
पत्रकारिता (उर्दु)	43,000/- रुपये	
पत्रकारिता (मराठी)	43,000/- रुपये	
पत्रकारिता (मलयालम)	43,000/- रुपये	

अनिवासी भारतीय श्रेणी के आवेदकों को सामूहिक चर्चा एवं साक्षात्कार के भुगतान के रूप में आवेदन पत्र के साथ US $ 50 का डिमांड ड्राफ्ट जो "भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली" के पक्ष में लिखा गया हो, संलग्न करना होगा।

भुगतान तालिका

विद्यार्थियों को शुल्क का भुगतान दो किस्तों में करना होगा। प्रथम किस्त का भुगतान जुलाई 2018 में संस्थान द्वारा दी गई तिथि पर करना होगा। प्रथम किस्त का शुल्क देने के उपरांत, यदि अभ्यर्थी 10.8.2018 तक संस्थान को बिना सूचना दिए कक्षा में उपस्थित नहीं होगा तो उसका दाखिला रद्द हो जाएगा तथा **उसके द्वारा जमा शुल्क जब्त हो जाएगा।** उसका खाली स्थान योग्यता क्रम सूची के अगले अभ्यर्थी को दे दिया जाएगा।

शिक्षा शुल्क की दूसरी किस्त का भुगतान 15 जनवरी 2019 तक करना होगा।

15 जनवरी 2019 के बाद 20 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से विलम्ब शुल्क लिया जाएगा। शिक्षा शुल्क और विलम्ब शुल्क नहीं देने पर 31 जनवरी 2019 को पाठ्यक्रम की सूची में से छात्र का नाम काट दिया जाएगा। 15 फरवरी 2019 से पहले पुनः प्रवेश के लिए 500 रुपये देने होंगे। पुनः प्रवेश देने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है। **यदि कोई छात्र बीच में**

पढ़ाई छोड़ देता है, तो उसके द्वारा जिन किस्तों का भुगतान किया जा चुका है वे वापिस नहीं की जाएंगी।

शुल्क की वापसी

यदि कोई विद्यार्थी पाठ्यक्रम की कक्षाएं प्रारम्भ होने से पूर्व पाठ्यक्रम से अपना नाम रद्द करवाता है तो उसे 1000/- रुपये प्रोसेसिंग शुल्क काटने के पश्चात् शेष शुल्क राशि वापिस कर दी जाएगी।

छात्र कल्याण निधि एवं अन्य शुल्क

प्रवेश के समय प्रत्येक छात्र को छात्र कल्याण निधि और अन्य शुल्कों के लिए 3500/- रुपये जमा कराने होंगे। दीक्षांत समारोह के समय सभी छात्रों को स्कार्फ वितरित किए जाएंगे।

वित्तीय सहायता और पुरस्कार

संस्थान में जरूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है। दिल्ली और सभी क्षेत्रीय परिसरों में विद्यार्थियों की योग्यता के आधार पर प्रत्येक स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए अर्ध/चौथाई फ्रीशिप उपलब्ध है। इसके लिए प्रथम सत्र के परिणाम और उपस्थिति के आधार पर मैरिट बनाई जाती है।

प्रतिवर्ष, फ्रीशिप हेतु छात्र आवेदकों में से सुपात्र आवेदकों का चयन करने के लिए एक समिति का गठन किया जाता है।

फ्रीशिप हेतु आवेदन करने के लिए, आवेदन प्रपत्रों में दर्शाई गई वार्षिक घरेलू आय को, आवश्यक प्राधिकारियों द्वारा जारी आय प्रमाणपत्र के साथ ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। छात्रवृत्ति/फ्रीशिप के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत घरेलू आय की कोई अन्य घोषणा यदि पहले प्रस्तुत घोषणा से भिन्न है तो उस आवेदन पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

छात्रवृत्तियाँ

'रति अग्रवाल छात्रवृत्ति' हिन्दी पत्रकारिता पाठ्यक्रम की प्रतिभाशाली छात्रा को उसके प्रवेश परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर प्रदान की जाएगी।

'स्टार टीवी छात्रवृत्ति' रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता पाठ्यक्रम के लिए एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को उसके प्रवेश परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर प्रदान की जाएगी।

'अचिन गांगुलि छात्रवृत्ति' विज्ञापन एवं जनसंपर्क पाठ्यक्रम के किन्हीं दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा एवं पाठ्यक्रम की समाप्ति के अंतिम परिणाम के आधार पर प्रदान की जाएगी।

'जसविन्दर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति' दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों – एक हिन्दी पत्रकारिता तथा एक रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता, को उनके प्रवेश परीक्षा और प्रथम सत्र के निष्पादन के आधार पर प्रदान की जाएंगी।

विद्यार्थियों की उपस्थिति

प्रत्येक सत्र की परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी की कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति इससे कम होगी उन्हें सत्र की परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा।

यदि महानिदेशक इस बात से संतुष्ट हों कि उपस्थिति में कमी ऐसे कारणों से हुई थी जोकि विद्यार्थी के सामर्थ्य के बाहर थे तब उपस्थिति में पाँच प्रतिशत तक की कमी को माफ किया जा सकता है।

संस्थान में सत्र के अन्त की परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का पुनः मूल्यांकन का प्रावधान नहीं है। छात्र द्वारा लिखित अनुरोध करने पर तथा 100/- रुपये प्रति पुस्तिका के हिसाब से शुल्क देने पर कुल अंकों के योग की पुनः जाँच या/और इस बात की जाँच की जा सकेगी कि किसी प्रश्न का मूल्यांकन छूटा तो नहीं है।

पूरक परीक्षा

पूरक परीक्षा में बैठने के लिए वही विद्यार्थी पात्र होंगे जिनकी उपस्थिति कम से कम 50 प्रतिशत होगी। विद्यार्थी की उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम होने पर उसे पूरक परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा और उसका नाम संस्थान की सूची में से काट दिया जाएगा।

यदि कोई विद्यार्थी एक या अधिक प्रश्न पत्रों की परीक्षा नहीं दे पाया हो या एक या अधिक विषयों में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक पाने में विफल रहा हो या कम उपस्थिति की वजह से रोका गया हो, तो शैक्षिक सत्र के पूरा होने पर मामले के गुण दोषों के आधार पर पूरक परीक्षा में बैठने के अनुरोध पर विचार किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को प्रति प्रश्नपत्र पाँच सौ रूपये शुल्क देना होगा और उनके उत्तीर्ण होने पर ही डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा। आवश्यक कुल उपस्थिति के मानदंड को पूरा करने वाले विद्यार्थी को ही पूरक परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। विद्यार्थी को पूरक परीक्षा में बैठने का एक ही अवसर प्राप्त होगा जो अगले शैक्षिक सत्र में प्रथम सत्र के साथ होगा।

पूरक परीक्षा की अंक तालिका में 'पूरक' लिखा जाएगा। इसके लिए अलग से कोई अंक तालिका जारी नहीं की जाएगी।

डिप्लोमा के लिए पात्रता

डिप्लोमा प्रमाणपत्र पाने के लिए विद्यार्थी द्वारा प्रथम और द्वितीय सत्र की सभी परीक्षाएं देनी होंगी और प्रत्येक विषय में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

विद्यार्थी अनुशासन

- विद्यार्थियों को संस्थान द्वारा समय-समय पर बनाए जाने वाली मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षिक दक्षता के स्तर, अनुशासन, उपस्थिति इत्यादि से संबंधित नियमों और विनियमों का कड़ाई से पालन करना होगा ताकि अध्ययन कार्यक्रम संतोषजनक रूप से पूर्ण हो।
- संस्थान में 'भारतीय जन संचार संस्थान के विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता' है जो संस्थान की वेबसाईट पर उपलब्ध है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिसमें सोशल मीडिया के उपयोग की नीति, संस्थान

की विद्यार्थियों से अपेक्षाएं, अनुशासनिक कार्यवाही और अनुशासनिक प्रक्रिया के आधार दिये गए हैं। प्रवेश के समय विद्यार्थी को हस्ताक्षर करने होंगे कि वे उपरोक्त आचार संहिता का पालन करेंगे।

- किसी भी विद्यार्थी का आचरण संतोषजनक न पाये जाने पर उसे निष्कासित करने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है।
- संस्थान के सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्णकालिक पाठ्यक्रम हैं और इनके विद्यार्थियों को किसी भी अन्य पूर्णकालिक या अंशकालिक कार्य या अध्ययन करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा उन्हें इस अवधि के दौरान पूरे दिन की अथवा अंशकालिक कोई भी नौकरी करने की अनुमति नहीं है। **विद्यार्थी द्वारा इस व्यवस्था का उल्लंघन करने की स्थिति में उसके खिलाफ उचित अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है जिसमें पाठ्यक्रम से निकाला जाना भी शामिल है। शिकायत निवारण समिति विद्यार्थी द्वारा संपर्क किये जाने पर विद्यार्थी की शिकायत पर विचार कर उचित कार्रवाई करेगी।**

शून्य सहनशीलता

भारतीय जन संचार संस्थान में यौन उत्पीड़न और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति पर अत्याचार के संबंध में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाती है। उल्लंघन के ऐसे मामले को देखने और उस पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति और अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ बनाए गए हैं।

पहचान पत्र

नामांकन के बाद संस्थान द्वारा विद्यार्थी को पहचान पत्र जारी किया जाता है। पाठ्यक्रम समाप्त होने पर यह पहचान पत्र लौटा दिया जाना चाहिए। खोने या खराब होने पर 100/- रुपये का भुगतान करने पर दूसरा पहचान पत्र जारी किया जाता है।

रोजगार एवं इंटर्नशिप

शैक्षिक सत्र की समाप्ति पर संस्थान रोजगार/इंटर्नशिप पखवाड़े का आयोजन करता है ताकि उद्योग और विद्यार्थियों में परस्पर वार्तालाप की सुविधा प्रदान की जा सके। तथापि, संस्थान अपने विद्यार्थियों को रोजगार एवं इंटर्नशिप की गारंटी नहीं देता है।

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय जनसंचार का देश का सबसे बड़ा पुस्तकालय है। इसमें जनसंचार और उससे संबंधित विषयों पर 30,000 से ज्यादा पुस्तकें और सजिल्द पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय पूर्णतः कंप्यूटरीकृत है और इसने अपनी हाउसकीपिंग और सेवा-संचालन को स्वचालित किया है। आनलाईन पब्लिक एक्सेस कैटेलॉग (ओपेक) और आनलाइन पत्रिकाएं विद्यार्थियों और संकाय-सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, संकाय एवं शोध विद्वानों के लिए बहुमाध्यम, संदर्भ एवं शोध अनुभाग भी विकसित किये हैं।

पुस्तकालय सोमवार से शनिवार तक प्रातः 9.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक खुला रहता है और छुट्टी के दिनों में बंद रहता है। प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकालय सिक्युरिटी के लिए 5,000/- रुपये जमा कराने होंगे जो उसे पाठ्यक्रम के अन्त में पुस्तकालय की कोई किताब या सामान न खोने/खराब होने पर लौटा दिये जाएंगे। प्रत्येक विद्यार्थी एक बार में एक सप्ताह के लिए दो पुस्तकें ले सकता है। यदि कोई विद्यार्थी पुस्तकालय की कोई पुस्तक खो देता है तो उसे या तो नई पुस्तक देनी होगी अथवा उसका मूल्य चुकाना होगा। जमानत के रूप में जमा राशि की वापसी हेतु पुस्तकालय से 'अदेयता प्रमाण पत्र' प्राप्त करना आवश्यक है। पाठ्यक्रम पूरा होने पर विधार्थी को पुस्तकालय सिक्युरिटी के 5,000/- रुपये वापस कर दिए जाएंगे। यदि पाठ्यक्रम पूरा होने के तीन वर्ष के भीतर जमा राशि की वापसी हेतु दावा नहीं किया जाता है तो यह जमा राशि जब्त कर ली जाएगी।

उपकरण एवं सुविधाएं

संस्थान के पास संचार की विभिन्नि शाखाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु पर्याप्त सुविधाएं हैं। संस्थान के पास पूर्णतः सज्जित ध्वनि और टीवी प्रयोगशालाएं और अन्य श्रव्य-दृश्य सुविधाएं हैं। टीवी और वीडियो कार्यक्रम प्रोडक्शन के लिए डिजिटल ई.एन.जी कैमरे, बहुमाध्यम प्रयोगशालाएं, सिंक और विशेष प्रभाव वाले जेनरेटरों के साथ कैमरा नियंत्रण यूनिटें, संपादन कंसोल और टीवी स्टूडियो में कूल लाईट इत्यादि सुविधाएं हैं।। संस्थान के पास डिजिटल ध्वनि संपादन/रिकार्डिंग और नान लीनियर डिजिटल वीडियो संपादन सुविधाएं हैं। वीडियो संपादन सुविधा में सर्वर आधारित नेटवर्किंग और फाइलन कट प्रो मशीनें शामिल हैं।

संस्थान की व्यापक सुविधाओं में दो दर्जन डी.एस. एल.आर कैमरे हैं जिन पर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर्स और अन्य शैक्षणिक सुविधा उपकरणों से सम्पन्न हैं।

संचार के क्षेत्र में होने वाली प्रगति, विशेष तौर पर कम्प्यूटर आधारित संपादन एवं प्रकाशन को ध्यान में रखते हुए संस्थान विद्यार्थियों को पर्सनल कम्प्यूटर, बहु माध्यम प्रणाली, वीडियो संपादन उपकरणों, क्लिप वीडियो कैमरे, वाईस रिकार्डर इत्यादि के उपयोग की सुविधाएं देता है जिससे वे इलेक्ट्रानिक संपादन और कम्प्यूटर आधारित ग्राफिक ले-आउट, डिजाइन और प्रकाशन सीख सकें।

विद्यार्थियों को विभिन्न साफ्टवेयरों जैसे एडोबे पेजमेकर, क्वार्क-एक्सप्रेस, एटोबे फोटोशोप, कोरल ड्रा, मैक्रोमीडिया डायरेक्टर, कुल एडिट प्रो, न्यूजरैप, एडोबे इनडिजाइन इत्यादि में प्रशिक्षण दिया जाता है।

संस्थान के परिसर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है।

भारतीय जन संचार संस्थान के प्रकाशन

(क) पत्रिकाएं

संस्थान दो तिमाही शोध पत्रिकाओं अंग्रेजी में 'कम्युनिकेटर' और हिन्दी में 'संचार माध्यम' का प्रकाशन करता है।

(ख) पुस्तकें

संस्थान जनसंचार पर शोध संकलनों, संपादित वाल्युम और न्यूज लैटर के अलावा अंग्रेजी और हिन्दी में पुस्तकों का प्रकाशन करता है।

प्रेस

संस्थान के दिल्ली परिसर में प्रिंटिंग प्रेस है जिसमें ऑफसेट और स्क्रीन प्रिंटिंग की सुविधाएं हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियां

गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस के अलावा संस्थान अपना स्थापना दिवस, राष्ट्रीय प्रेस दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, अध्यापक दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस इत्यादि के अवसर पर सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। संस्थान समय-समय पर प्रख्यात वक्ताओं/कलाकारों के व्याख्यानों/प्रस्तुतीकरणों का आयोजन करता है।

स्वास्थ्य केन्द्र

दिल्ली परिसर में स्वास्थ्य केन्द्र क्रियाशील है जहाँ सोमवार से शनिवार तक एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथी डाक्टरों के साथ-साथ एक क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक भी आते हैं। ढेंकानाल केन्द्र में भी चिकित्सक आते हैं जबकि सभी परिसरों सें आपात चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

योग

सामान्य स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में नियमित रूप से योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

छात्रावास सुविधा

नई दिल्ली में छात्रावास की सीमित व्यवस्था केवल छात्राओं के लिए है। ढेंकानाल में छात्रावास सुविधा छात्र और छात्राओं दोनों के लिए है। अमरावती, जम्मू और कोट्टायम में सीमित छात्रावास सुविधा उपलब्ध हैं। आइजोल में छात्रावास सुविधा अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई जाती है। दिल्ली परिसर में बाहर से आने वाले पुरूष छात्रों के लिए प्रशासन नियमों और उपलब्धता के अनुसार अनुरोध करने पर परिसर के अंदर/या बाहर सीमित आवास की सुविधा प्रदान कर सकता है।

मैस और कैंटीन

संस्थान के छात्रावासों में भोजन कक्ष (मेस) सुविधा है जहाँ अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन उचित दरों पर उपलब्ध है। संस्थान के दिल्ली परिसर में एक कैंटीन है जहाँ भोजन और नाश्ता सभी कार्यदिवसों में उचित दरों पर उपलब्ध कराया जाता है।

खेल सुविधाएं

संस्थान के दिल्ली परिसर में लॉन टेनिस, बेडमिंटन और वालीबाल कोर्ट हैं। इसके अलावा टेबल टेनिस खेलने की सुविधा भी है। ढेंकानाल परिसर में बैडमिंटन और टेबल टेनिस सुविधाएं हैं।

बैंक और ए टी एम

संस्थान के दिल्ली परिसर में बैंक और ए टी एम सुविधाएं हैं।

अन्य सुविधाएं

संस्थान के दिल्ली परिसर में एक सभागार 'महात्मा गाँधी मंच' है जिसकी क्षमता 400 से भी अधिक है। साथ ही 100 व्यक्तियों की क्षमता वाला लोकमान्य बालगंगाधर तिलक मिनी सभागार भी है। संस्थान में कई संगोष्ठी एवं सम्मेलन कक्षों के अलावा एक ओपन एंफीथियेटर (मेघदूत) भी है। इसके अलावा संस्थान में उद्यान और लॉन हैं। स्वामी विवेकानंद स्मारक शिला को विशेष रूप में इस तरह विकसित किया गया है जहाँ विद्यार्थी खाली समय में पढ़ सकते हैं।

रेल और विमान किरायों में रियायत

रेल और विमान से यात्रा करने वाले विद्यार्थी छुट्टियों के दौरान अपने घर जाने के लिए रियायत सुविधा का लाभ नियमानुसार उठा सकते हैं।

इंडस्ट्री इंटरफेस एवं पूर्व छात्र

संस्थान ने अपने अस्तित्व के पाँच दशकों में एक मजबूत इंडस्ट्री इंटरफेस का निर्माण किया है। संस्थान के पूर्व छात्र आज मीडिया, सरकार, कॉरपोरेट और गैर सरकारी संगठनों के शीर्ष स्थानों पर नियुक्त हैं।

हरा भरा और स्वच्छ आई.आई.एम.सी

अरावली पर्वत श्रृंखला की गोद में स्थित संस्थान का दिल्ली परिसर हरा भरा, स्वस्थ और शांत वातावरण प्रस्तुत करता है। हरियाली में अभिवृद्धि के लिए नियमित वृक्षारोपण अभियान चलाए जाते हैं। ढेंकानाल परिसर पैनिहोला (उड़िया में झूलता पानी) घाटी में स्थित है जो एक ऐश्वर्य सम्पन्न दृश्य प्रस्तुत करता है।

धूम्रपान निषेध क्षेत्र

संस्थान का दिल्ली परिसर पूर्ण रूप से धूम्रपान निषेध क्षेत्र है। यहाँ शराब/दवा एवं नशीले पदार्थों पर कड़ा प्रतिबंध है। उल्लंघन कानून के अनुसार दंडनीय है।

कार्य समय

संस्थान सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक खुला रहता है और भारत सरकार द्वारा दिल्ली के लिए घोषित सभी छुट्टियों का अनुसरण करता है। क्षेत्रीय परिसर दिल्ली कैलेण्डर का अनुसरण करते हैं, तथापि दिल्ली मुख्यालय से परामर्श करके संबंधित केन्द्रों द्वारा कुछ परिवर्तन किये जा सकते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

आवेदन पत्रों की बिक्री का आरंभ	20 मार्च, 2018
आवेदन पत्रों की बिक्री समाप्ति	1 मई, 2018
भरे गए आवेदन पत्र स्वीकार करने की अंतिम तिथि	1 मई, 2018
सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा (उर्दु, उड़िया, मराठी और मलयालम को छोड़कर)	27 मई, 2018
पत्रकारिता (उर्दु, उड़िया, मराठी और मलयालम) की प्रवेश परीक्षा	26 मई, 2018
प्रवेश परीक्षा परिणामों की घोषणा	जून, 2018 का प्रथम या द्वितीय सप्ताह

साक्षात्कार तिथियां	जून अंतिम सप्ताह/ जुलाई प्रथम सप्ताह
अंतिम चयन की घोषणा	जुलाई 2018 दूसरा सप्ताह/तीसरा सप्ताह
शुल्क की पहली किस्त जमा करने की अंतिम तिथि	जुलाई, 2018 तृतीय सप्ताह
*स्नातक अंक सूची/उपाधि-पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि जिसके न मिलने पर अस्थायी प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा	31 अगस्त, 2018
शैक्षिक सत्र प्रारंभ	जुलाई का अंतिम या अगस्त, 2018 का प्रथम सप्ताह

*उन आवेदकों के लिए जिन्होंने अंतिम वर्ष की परीक्षा दी हो परन्तु परिणाम घोषित न हुआ हो।

महत्वपूर्णः संस्थान सभी निर्दिष्ट तिथियों में आवेदन पत्र विक्रय और स्वीकार करेगा। सार्वजनिक छुट्टी घोषित होने पर अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि माना जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया

1. सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु चयन लिखित परीक्षा और निजी साक्षात्कार/सामूहिक चर्चा के आधार पर होगा। पत्रकारिता (हिन्दी) और पत्रकारिता (अंग्रेजी) के लिए प्रवेश परीक्षा और प्रश्नपत्र समान होंगे। आवेदक या तो पत्रकारिता (हिन्दी) और पत्रकारिता (अंग्रेजी) के लिए आवेदन कर सकता है और अपने उत्तर क्रमशः हिन्दी या अंग्रेजी में लिख सकता है। आवेदक पत्रकारिता (उर्दु), पत्रकारिता (उड़िया), पत्रकारिता (मराठी) और पत्रकारिता (मलयालम) में से किसी एक पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा में बैठ सकता है। रेडियो और टीवी पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क के लिए प्रश्नपत्र और परीक्षा अलग-अलग होंगे।
2. लिखित परीक्षा और निजी साक्षात्कार/सामूहिक चर्चा का अनुपात 75:25 होगा।
3. उम्मीदवार का निम्नलिखित क्षेत्रों में आकलन किया जाएगाः

क) पत्रकारिता के लिएः

i) सामान्य जागरूकता, सामाजिक गतिशीलता की जानकारी, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, कानूनी एवं संवैधानिक प्रावधान, नागरिक अधिकार, विकास मुद्दे विशेष तौर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, परिस्थिति-विज्ञान, अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय विकास और भारत में उनके प्रभाव।

ii) अभिरूचि और मानसिक रुझान

iii) भाषा क्षमता तथा मौखिक एवं लेखन कौशल

iv) विश्लेषणात्मक एवं समझ कौशल

v) सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता

vi) नैतिकता और मूल्य

ख) विज्ञापन एवं जनसंपर्क के लिएः

i) विकास और सार्वजनिक मुद्दों के संबंध में सामान्य जागरूकता

ii) अभिरुचि और मानसिक रुझान

iii) भाषा क्षमता

iv) विश्लेषणात्मक एवं समझ कौशल

v) ब्रांड जागरूकता एवं रिकाल

vi) सामाजिक चेतना

vii) सोच क्षमताएं

4. लिखित परीक्षा अखिल भारतीय आधार पर नई दिल्ली, अहमदाबाद (गुजरात), आईजोल (मिजोरम), ढेंकनाल (ओडिशा), बेंगलूरू (कर्नाटक), भोपाल (म.प्र.), देहरादून (उत्तराखंड), चेन्नई (तमिलनाडु) गुवाहाटी (असम), जम्मू और श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), हैदराबाद (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना), कोलकाता (प.बंगाल), कोट्टायम (केरल), लखनऊ (उ.प्र.), मुम्बई, अमरावती (महाराष्ट्र), पटना (बिहार), रांची (झारखंड), तथा रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित की जाएंगी। पत्रकारिता (उड़िया) के लिए प्रवेश परीक्षा ढेंकनाल में; पत्रकारिता (मराठी) के लिए मुम्बई और अमरावती में; पत्रकारिता (मलयालम) के लिए कोट्टायम में; पत्रकारिता (उर्दु) के लिए नई दिल्ली/भोपाल/जम्मू/श्रीनगर/हैदराबाद/पटना/लखनऊ/ मुम्बई में आयोजित होंगी।
5. यद्यपि उम्मीदवार से केन्द्र के लिए प्राथमिकता प्राप्त की जाती है फिर भी संस्थान के पास यह अधिकार है कि वह आवेदक को उसके अपने खर्च पर लिखित परीक्षा हेतु किसी भी अन्य केन्द्र में बुला सकता है।
6. लिखित परीक्षा हेतु एक बार आबंटित किये गए केन्द्र में परिवर्तन करने की अनुमति किसी भी हालत में नहीं दी जाएगी।
7. लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण सभी उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उनके अपने खर्च पर जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई 2018 के प्रथम सप्ताह में नई दिल्ली में बुलाया जाएगा। उर्दु, उड़िया, मराठी तथा मलयालम पत्रकारिता के लिए साक्षात्कार क्रमशः दिल्ली, ढेंकनाल, अमरावती और कोट्टायम में होंगे।
8. संस्थान साक्षात्कार/सामूहिक चर्चा के लिए आने वाले विद्यार्थियों को अपने साथ गत वर्षों में किए गए उनके काम का ब्यौरा साथ में लाने की सलाह देता है। यद्यपि यह अनिवार्य नहीं है।
9. पाठ्यक्रमों में अस्थायी तौर पर जिन आवेदकों को प्रवेश दिया जाएगा, उनकी सूची लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/सामूहिक चर्चा में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

आवेदन पत्र कैसे भरें

1. आप आवेदन पत्र आनलाइन भी भर सकते हैं और आनलाइन शुल्क का भुगतान भी कर सकते हैं या आवेदन पत्र को डाउनलोड करके, उसे भरकर आवेदन शुल्क हेतु डिमांड ड्राफ्ट के साथ 20 वें बिन्दु में निर्दिष्ट पते पर भेज सकते हैं।
2. आवेदक आवेदन पत्र को स्वयँ अपनी लिखाई में ही भरें।
3. उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र या तो पत्रकारिता (हिन्दी) या पत्रकारिता (अंग्रेजी) के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं क्योंकि दोनों के लिए प्रवेश परीक्षा और प्रश्नपत्र समान होंगे।
4. इसी प्रकार, उम्मीदवार आवेदन पत्र पत्रकारिता (उर्दु) या पत्रकारिता (उड़िया) या पत्रकारिता (मराठी) या पत्रकारिता (मलयालम) किसी एक के लिए भर सकते हैं। उपरोक्त पाठ्यक्रमों के लिए लिखित परीक्षा एक साथ संचालित होंगी।
5. प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र हैं। उम्मीदवार फार्म भरने से पहले जाँच लें कि वह उसी पाठ्यक्रम के लिए है जिसके लिए वे आवेदन करना चाहते हैं।
6. निर्देशों को पूरी तरह पढ़ने और समझने के बाद ही आवेदन पत्र भरना शुरु करें।
7. फार्म भरने के लिए पेंसिल का प्रयोग न करें। केवल **काली स्याही** वाले पेन का प्रयोग करें।
8. आवेदन पत्र पर पासपोर्ट आकार का अपना ताजा विधिवत् सत्यापित फोटो चिपकायें।
9. कृपया (-) या बिन्दुओं (....) का प्रयोग न करें। यदि आवेदन-पत्र की कोई मद आप पर लागू नहीं होती तो उसके आगे "लागू नहीं होता", "नहीं" या "शून्य" लिखें और यदि लागू होता है तो ☑ का चिन्ह् लगा दें।
10. जिन आवेदकों का जन्म 1 अगस्त 1993 को या उसके बाद हुआ हो, वे प्रवेश हेतु पात्र हैं। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति एवं शारीरिक रूप से विकलांग आवेदकों को 5 वर्ष की छूट प्रदान की गई है तथा अन्य पिछड़े वर्ग के आवेदकों के लिए 3 वर्ष की छूट प्रदान की गई है।
11. आवेदक अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ शारीरिक अक्षम जिस भी श्रेणी से संबंद्ध हों, उसे स्पष्ट तौर से दर्शाएं।
12. केवल भारतीय नागरिक ही इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
13. आवेदक को प्रवेश-पत्र में निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करने होंगे। प्रवेश-पत्र दिखाने पर ही प्रार्थी को प्रवेश-परीक्षा में शामिल होने दिया जाएगा।
14. अपने आवेदन-पत्र को लिफाफे में डालें तथा लिफाफा बंद करने के लिए उसके किनारे पर थोड़ा सा ही गोंद लगायें ताकि उसे खोलते हुए आवेदन-पत्र न फटे।
15. यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप आवेदन-पत्र को निर्देशानुसार, सावधानी से तथा सही भरें। आप सुनिश्चित करें कि फार्म सही भरा गया है क्योंकि यह आपकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। कृपया याद रखें कि यदि आपके द्वारा दी गई कोई सूचना गलत पाई जाती है तो अस्थाई प्रवेश मिल जाने के बाद भी आपका प्रवेश रद्द किया जा सकता है।
16. सभी आवेदक आवेदन पत्र के सभी कॉलम को सावधानीपूर्वक भरें। जो आवेदक पूरा आवेदन पत्र नहीं भरेंगे उनका आवेदन रद्द हो सकता है।
17. डाक में देरी या डाक खो जाने की जिम्म्दारी संस्थान पर नहीं होगी। फिर भी, यदि आवेदकों को कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो वे अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं प्रशासन) से संपर्क कर सकते हैं।
18. यदि आवेदन पत्र में दी गई कोई सूचना गलत पाई जाती है तो उसे रद्द किया जा सकता है।
19. **वेबसाइट से आवेदन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया:**

    ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में प्रार्थी को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता वेबसाईट पर ही प्राप्त होंगे।

    आवेदन-पत्र संस्थान की वेबसाइट www.iimc.gov.in से प्राप्त करके वेबसाइट/ व्यक्तिगत/डाक द्वारा भेजे जा सकते हैं। आवेदन पत्र तब तक स्वीकृत नहीं होगा जब तक प्रवेश परीक्षा शुल्क के रूप में सामान्य श्रेणी के लिए 1500/- रुपये, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग एवं विक्लांग श्रेणी के 1000/- रुपये का डिमांड ड्राफ्ट (डाक द्वारा/ व्यक्तिगत) 1 मई 2018 तक या उससे पूर्व प्राप्त नहीं हो जाता। बैंक ड्राफ्ट भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के पक्ष में लिखा होना चाहिए बैंक ड्राफ्ट भेजते समय उसके पीछे आवेदक का नाम लिखा आवश्यक है। डाउनलोड किये गए आवेदन पत्र के साथ प्रवेश परीक्षा शुल्क का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न होना चाहिए और वह नियत तिथि तक प्राप्त होना चाहिए अन्यथा आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।
20. विधिवत् भरे हुए आवेदन-पत्र **अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं प्रशासन), भारतीय जन संचार संस्थान, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067** को प्रवेश परीक्षा के शुल्क की राशि के बैंक ड्राफ्ट के साथ 1 मई 2018 तक या उससे पूर्व उपरोक्त पते पर भेजें।
21. इस बुलेटिन में दी गई जानकारी में बिना किसी सूचना के संशोधन किया जा सकता है। विवाद की स्थिति में उसका निपटारा केवल दिल्ली न्यायालय में होगा।